

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

31/5/19

हाथिय
में न
लिखें

प्रश्न
संख्या

134
3000

1 A

तापीय प्रतिलोमन

सामान्यतः ऊंचाई बढ़ने पर तापमान में गिरावट प्रतिलोमन की स्थिति में कम उलट जाता है। धरातल के निम्न की वायु ठंडी हो जाती है प्रभाव को घटने में बढ़े। कारण उपयुक्त नहीं।

1 B

मिश्रित वृषि

वृषि की वे साथ पशुपालन करना। खतरिस्त आय सृजन में सहायक। वृषकों की प्रायः में बरती।

1 C

आपदा राहत प्रबंधन नियम, 2005 के अनुसार
किसी आपदा के पश्चात राहत व पुर्नवास

पहुंचाना

नुकसान को कम करना, सुरक्षित स्थान पर ले जाना व्यक्तियों को चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध करवाना

मुख्य परीक्षा

ज.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

1 D

सापेक्ष आर्द्रता

वायु में उपस्थित जलवाष्प तथा रूही तापमान पर रूही वायु की आर्द्रता के अनुपात को सापेक्ष आर्द्रता कहते हैं।
आर्द्रता बढ़ने पर संघनन व वर्षा की हिलवा

2

1 E

जेट पवनें

समतापमंडल के निचले सतह पर चलने वाली पवनें जो कि बहुत तेज 1150 से 200 कि.मी. घंटा से 150 किलोमीटर क्षेत्र में चलती हैं।
भारतीय मानसून के लिए सहायक

2

F

मकनालिया अपरदन

जल व वायु द्वारा मिट्टी का अपरदन से निपट वडी, गहरी व चौड़ी नालियाँ का निर्माण अपरदन से मिट्टी बचाने व अनसुपवाइ इलाक़ों में जल का उल्कात भूमि समूह (वीड)।

12

मुख्य परीक्षा

जी.ए. पाठ्य जीवा जीवा आयोग

सं. 10
दि. 10

एटा

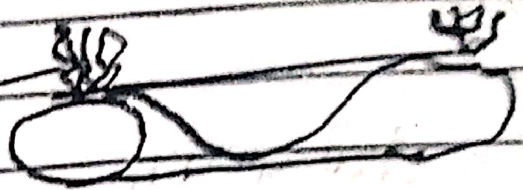
प्रवाल गारा पूरे द्वीप को घेर कर बनी

हुयी

द्वीप के चारों ओर मृगो, प्रवाल जीवों का

वेराव

प्रवाल
क्रिती



उदा० फिजी एटा

द्वीप प्रसारण अनुपात

सूर्योदय के पृथ्वी के उत्तरी के पश्चात

परावर्तित भाग को एल्वी उद्ये हैं।

इससे पृथ्वी का उष्मा बरत संतुलित रहता है।

उदा० 100 में से 35 घंटा में परावर्तित

गान्धी सागर बांध

चम्बल घाटी परियोजना के घंटा

स्थान → 1960 में, मंडसौर

म.प्र व राजस्थान की संयुक्त परियोजना

विद्युत क्षमता → 115 MW.

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

प्रश्न संख्या

1 J

सौर्यीय सिस्टम -

सूर्य से प्राप्त ऊर्जा को 1 सेमी क्षेत्र में
गुणन करने की क्षमता

1 K

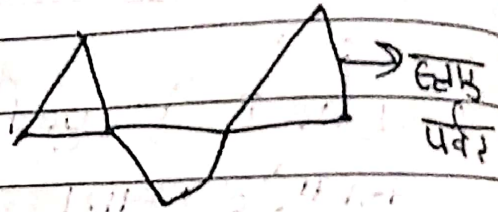
भ्रंशोत्पन्न पर्वत

निर्माण तनाव व खिंचाव के कारण

भ्रंश के बीच का हिस्सा नीचे धंस जाना

उपरोक्त भाग का ऊपर उठना। (एक पर्वत उद्वेग है)

उदा. अमेरिका का सिद्धा
नेवादा



1 L

नर्मदा व तापति

दोनों ज्वरनदमुख का निर्माण करती हैं

भ्रंश घाटी में बहती हैं।

1 N

प्लेट टेक्टोनिकस थोड़ी पर आधारित संवधारणा
हिमालय पठार का भारतीय प्लेट से टकराव
से टिथिस सागर का संवसारित होना

मुख्य परीक्षा

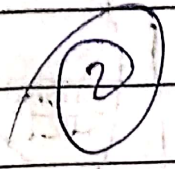
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

कठिने में न लिखें

प्रश्न संख्या

N

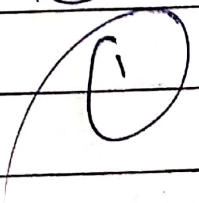
ITCZ सू-मध्य रेखा से 1° उत्तर व 1° दक्षिण तक निम्न दाब वाला क्षेत्र मानसून गर्म हो जाता है। भारत में गर्मियों में ITCZ ऊपर खिसक जाता है।



0

शस्य गहनता एक वर्ष में उगाई गयी फसलों की संख्या

$$\text{शस्य गहनता} = \frac{\text{1 वर्ष में कुल हवि क्षेत्र}}{\text{1 वर्ष में शुद्ध हवि क्षेत्र}} \times 100$$



मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

2 1

भारत में बौद्ध धर्म के साथ उद्योगों के लिए उच्च मूल्य का स्रोत भी है।

भारत के बौद्ध क्षेत्र

कुल मंदिर → 285 परवहन

दामोदर घाटी क्षेत्र

पं. बंगाल → रमंगीज (सबसे बड़ा बौद्ध क्षेत्र)

झारखंड → झरिया बौद्धी

हरियाणा → तातापानी क्षेत्र

ओडिसा → तालचर क्षेत्र

गोदावरी क्षेत्र

हरियाणी युग का बौद्ध धर्म

नेवेली → तमिलनाडु (लिगनारट प्रकार)

बौद्ध धर्म के प्रकार

(1) थेरेवाद (80% भक्ति)

(2) विज्जिमिस (60% भक्ति)

(3) लिगनारट (40%)

(4) पीर (25%)

दामोदर घाटी

गोदावरी घाटी

भारत
के
क्षेत्र

मुख्य परीक्षा

ज.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

कक्षा
तीन
लिखित

प्रश्न
संख्या

2 13

भारत में मोहनजीरी द्वारा पेट्रोलियम पदार्थों का खनन किया जा रहा है।

भारत में अनुमानित 620 करोड़ टन तेल है

भारत में तीन क्षेत्र पेट्रोलियम पदार्थों

(1) असम तेल क्षेत्र - यह भारत का सबसे पुराना तेल क्षेत्र है।

- डिब्रुगढ़ से 1902 से प्रकृत खनन किया जा रहा

(2) मुम्बई हाई सेज - मुम्बई के समुद्र में स्थित

1974 से खनन प्रारंभ 60% खनिज तेल की प्राप्ति

सागर स्मार्ट जहाज द्वारा

तेल का निरुद्धन

(3) गुजरात क्षेत्र - खंभात की खाड़ी व अम्नेरकर

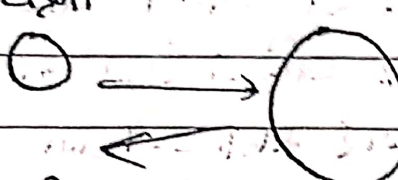
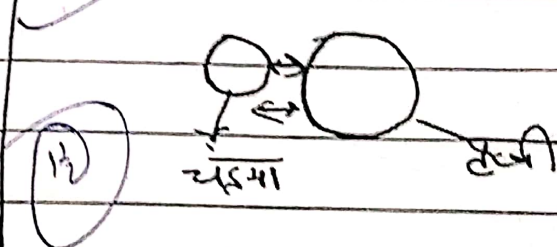
भावनगर व बलोड क्षेत्र

(4) दृष्टव्य गोदावरी क्षेत्र - रावा घपतर से

भारत मुख्यतः अपने पेट्रोल की आवश्यकताएं विदेशों से यातायात करके करता है जिसमें ईरान व अरब देश प्रमुख हैं।

मुख्य परीक्षा

ज.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या		
2	C	उपभ्रू
		उपभ्रू
		चंद्रमा पृथ्वी से निम्न
		इरी पर
		उच्च एवं निम्न
		ज्वार की उत्पत्ति
		गुरुत्वाकर्षण कम
		होगा है।
		गुरुत्वाकर्षण अधिक
		होगा है।
		चंद्रमा
		
		इरी पर्यायितः पृथ्वी
		
		उत्पत्ति

मुख्य परीक्षा

ज.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

कक्षा
01 न
दिनांक

ज्वालामुखी बह चिह्न होता है जिसमें जैसे लवा राख का उदगार होता रहता है। विस्फोट होने पर लवा भू-पटल पर बह जाता है।

ज्वालामुखी के प्रकार

(1) सुप्त ज्वालामुखी

(2) प्रसुप्त ज्वालामुखी

(3) जागृत ज्वालामुखी

स्वालाहति

(1) वैषोत्पि → मैग्मा के जमने के कारण गुम्बदनुमा संरचना

(2) लैबोलिच → उल्टे ढाल वाला जमाव

(3) सित → लवा के क्षैतिज जमाव के रूप में

(4) डारु → लवा का लम्बवत जमाव

(5) स्टाबु → डारु के धीरे स्वरूप को स्टाबु कहते हैं।

यह स्वालाहतिया लवा के जमने के फलस्वरूप निर्मित होती हैं।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

2 6

भारत में मृदा को संरक्षित किया जाना बहुत आवश्यक है। देश की कृषि उत्पादन में जीविका कृषि पर आधारित है।

मृदा संरक्षण हेतु कार्य

- वृक्षारोपण करना।
- कुसल जल को प्रयुक्त करना।
- मेडवैदी करना।
- स्थानांतरित कृषि को बंद करना।
- अतिप्रदत्त पशुचारण पर रोक।
- वैज्ञानिक पद्धति से कृषि कार्य।

मृदा संवर्धन हेतु

- (1) जैविक कृषि - ड्रिप का प्रयोग।
- (2) जैविक खाद का प्रयोग।
- (3) ड्रिप सिंचनी का प्रयोग।
- (4) जैव प्रयोगिकी वाली कुसलों का प्रयोग करना।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए
जें न
लिखे

6) खाद्य प्रसंस्करण से प्राप्त खाद्य-पदार्थों की क्षमता, गुणवत्ता व इन्हें प्रतिष्ठित उपयोगी बनाए जाने में हैं।

→ दुर्गम व कठिन क्षेत्रों में जीवन की उपलब्धता

खाद्य प्रसंस्करण की उपयोगिता

→ मूल्य संवर्धन का होना

→ प्रतिष्ठित माध्यम में सहायक

→ मोगा फूड पार्क की स्थापना से प्रसंस्करण क्षेत्र में

7

वृद्धि

→ रोजगार में सहायक

→ खाद्य आपूर्ति करने में सक्षम

→ भारत के खाद्य पदार्थों को

विश्वस्तरीय बनाने में सहायक

परिवहन में आसानी व त्वरित

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

श्र. संख्या

2 H

भारत की सेवा जनसंख्या वृद्धि पर निर्भर है। चूंकि भारतीय वृद्धि की उत्पादकता निम्न है लेकिन हरित क्रांति के बाद उत्पादन बढ़ा है।

भारतीय वृद्धि की समस्याएँ

(1) भारतीय मानसून की अनिश्चितता।

(2) सिंचाई सुविधा का नगण्य होना।

(3) वृद्धि तकनीकी या पिछड़ा स्वरूप।

(4) वृद्धिगत खर्च का वित्त की कमी।

(5) उचित गुणवत्ता के बीज की कमी।

(6) वृद्धि की गहनगुस्तता होना।

(7) बाजार की कमी।

(8) परिवहन का अंतरांग सुविधा नदारद।

उपरोक्त कमियों से भारतीय वृद्धि रुक रही है।

मुख्य परीक्षा

स.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

सं. १००
२०१६

भारत में लौह उत्पात एक महत्वपूर्ण
उत्पन्न हैं। लौहा को अर्थव्यवस्था की
रीढ़ की इसी उदा जाना है।

लौह उत्पात के उत्पादन में चीने स्थान पर है।

भारत में चार प्रकार का लौहा पाया जाता है

(1) मैग्नेटाइट →

(2) हेमेटाइट -

(3) लिमोनाइट -

(4) सिडेराइट -

पुनः समीक्षा

उद्योग विभाग

12

भारत के प्रमुख लौह अयस्क के क्षेत्र

(1) झारखण्ड → दलदल, जहरी, व. वेल्डिंग
की खान

(2) कर्नाटक → नावा बल्लन की पघणियाँ प्रमुख

(3) उड़ीसा → बमोसर लौह क्षेत्र

(4) आंध्र प्रदेश → गुडप्पा की खानें

भारत ने लौह उत्पात के उत्पादन में वृद्धि की है।

मुख्य परीक्षा

ज.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

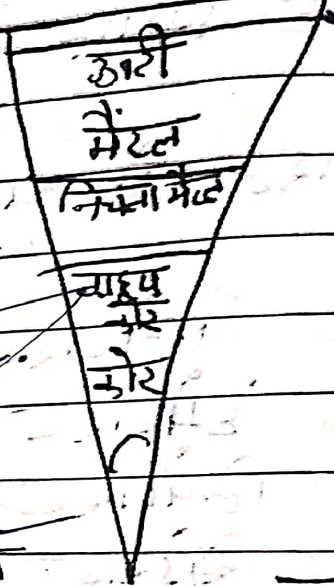
2 5

पृथ्वी की आंतरिक संरचना तीन भागों से मिलकर हुई है

क्रस्ट (भू-पर्पटी)

(1) भू-पर्पटी → यह सबसे ऊपरी भाग है। इसकी मोटाई 30 km है।

निर्माण → सिलिका व मैग्नीशियम से



(2)

(2) मैटल → क्रस्ट के नीचे स्थित है। इसकी मोटाई 2900 कि.मी तक पायी जाती है।

निर्माण → सिलिका व मैग्नीशियम द्वारा

(3) कोर → इसका विस्तार 2900 से 12756 कि.मी तक है।

निर्माण → निकेल व लोहा द्वारा

संघटन → तरल रूप में

भाग → आंतरिक कोर
बाह्य कोर

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

समय
तीन
घण्टे

सिंचाई कृषि के लिए प्रति आवश्यक है।
उत्पदन का सीधा संबंध सिंचाई से है।

निम्न तरीकों से सिंचाई की जाती है।

(A) जल निकास द्वारा

(1) नलसूतों द्वारा सिंचाई भारत में 10% तक की जाती है।

(2) कुंयो द्वारा पानी की सिंचाई

(3) पृष्ठीय सिंचाई विधि

↳ नहर द्वारा

↳ नालाव द्वारा

2 ↳ ब्यारी विधि

(4) टपक विधि द्वारा

↳ पौधों की जड़ों में पानी

↳ शुष्क कृषि का उदा०

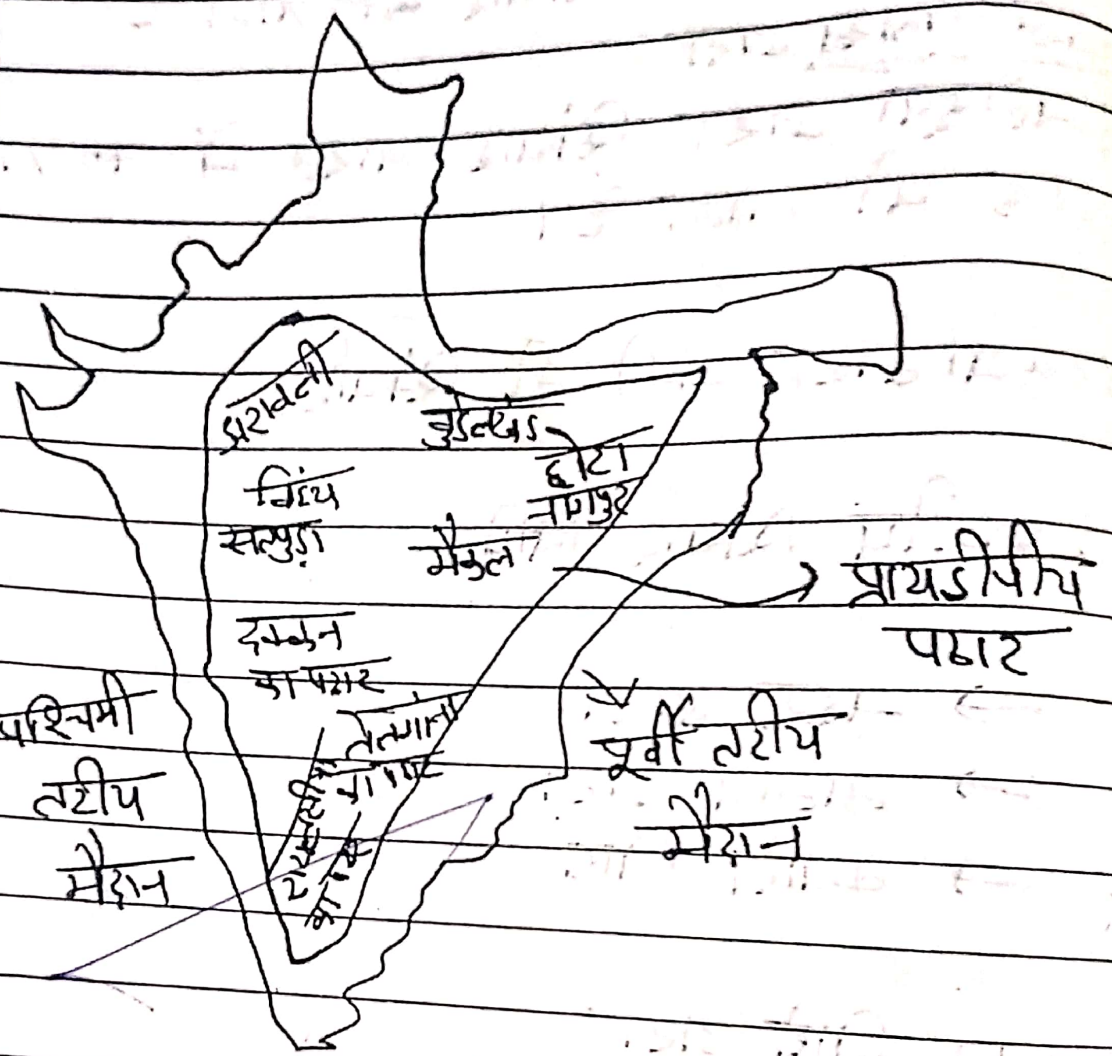
↳ इन्फ्रारल द्वारा निर्मित

(5) स्प्रिंकलर द्वारा सिंचाई

↳ स्प्रिंकलर का प्रयोग बुरे पारप की सघयता से सिंचाई।

3 1

प्रायद्वीपीय पठार यह गोडवानालैंड का भाग है। इसकी मातृति जिम्बुवायर है।



प्रायद्वीपीय पठार अनेक भागों में विभक्त है।

- (1) दक्षिण का पठार
- (2) उत्तर का पठार
- (3) दक्षिण का पठार
- (4) तेलंगाणा का पठार
- (5) राजस्थान का पठार

मुख्य परीक्षा

उ.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

तारीख
लें न
दिखें

(1) शिलांग का पठार

(2) छोटा नागपुर का पठार

(3) कुइलखंड न नखेलखंड का पठार

(4) सतपुरा नर्मदा न तापति के बीच
भ्रंश घाटी पर स्थित पठार

(5) यह विद्याचल पर्वत श्रृंखला के
दक्षिण में महादेव पीठ मैदानी
पहाड़ियों के रूप में छोटा नागपुर तक
विस्तृत धूपगढ़ सबसे ऊंची चोटी

(6) अरावली श्रेणी → प्री-कैम्ब्रियन काल की चट्टान
विश्व की सबसे प्राचीन
पर्वत श्रेणी
गुरु शिखर चोटी → 1522 मी.

(7) शिलांग का पठार → गारो-खासी जयंतियां
पहाड़ियां

(8) छोटा नागपुर का पठार → खनिज संवदा से सम्पन्न
बोयला, मैंगनीज, लौहा
सबसे अधिक

मुख्य पराका

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

प्रश्न संख्या

तेलंगाणा पठार - यन्ताप्रवाह क्षेत्रों में स्थित

जोजवेरटा

नीलगिरी के दक्षिण में

शैलबोटा गैप कॉरिडोर पहाड़ियों में

पश्चिमी घाट - ताप्ती के मुहाने से लेकर

मौजोतिरु तक

लम्बाई → 1600 km.
 चौड़ाई → 1200 मीटर
 दर्रे → चालघाट, मोरघाट, जालघाट

प्रायद्वीप पठार का विस्तार उत्तर में अरावली पर्वत से लेकर मेघालय के पठार तक पूर्व में, दक्षिण में तमिलनाडु के जावदी नदी के पहाड़ों तक विस्तृत रूप में फैला हुआ है।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

सं. नं.
लिखित

नं.
प्रा.

2

लेट निर्मित की सिंहांत हैरी हैस ने 1922 ई.
में प्रस्तुत किया, जो की वेगनर के
महादीपीय सिंहांत का विकास माना जाता है

सिंहांत - संपूर्ण पृष्ठी लेटों में विभाजित है
और यह दोरी बडी लेटें एस्पेनोस्फेयर
पर फैली रहती है। अभी तक न की लेट
व 20 छोटी लेट को पद्यता गया है।

- (1) यूरोशियन लेट
- (2) इंडोमसिडियन लेट
- (3) उत्तरी अमेरिकन लेट
- (4) दक्षिणी अमेरिकन लेट
- (5) अफ्रीकन लेट
- (6) अंटार्क्टिक लेट
- (7) संसक्त प्रशांत लेट

(1) रचनात्मक विनारा - जब दो समान
घनत्व वाली लेटें एक-दूसरे के विपरीत दिशा
में गति करती है तब दोनों के बीच में
श्र-पर्पटी में दराह बन जाती है। इससे एस्पेनोस्फे
का मेग्ना लमीन पर यागार नई श्र-पर्पटी का
निर्माण करता है। लेटों के इस तरह के विनारे

को खनात्मक किनारा उदरे हैं।

(2) खनात्मक किनारा -

जब दो जेट सामने होकर टकराती हैं तो पछिड़ पकड़ की जेट बगल घनत्व की जेट के नीचे धंस जाना है। यहाँ पर जेटों का किनारा होता है इसलिए इसे खनात्मक किनारा उदरे हैं।

ऐसी जेट अभिसारी जेटें कहलाती हैं।
उ प्रकार से जेटों की यत्न किया देती हैं।

(1) जब एक जेट महासागरीय व इसरी महासागरीय हो तो महासागरीय जेट अधिक भारी होने के कारण जेट के नीचे चली जाती हैं।
जिससे गर्त का निर्माण होता है।
गर्तों में अक्सर के जमने से मोड़दार पर्वतों का निर्माण होता है।
उदा० शंकीज व एंजीज पर्वत

(2) जब दो जेटों जेट महासागरीय हो तो वही व भारी जेट धंस जाती है।

मुख्य परीक्षा

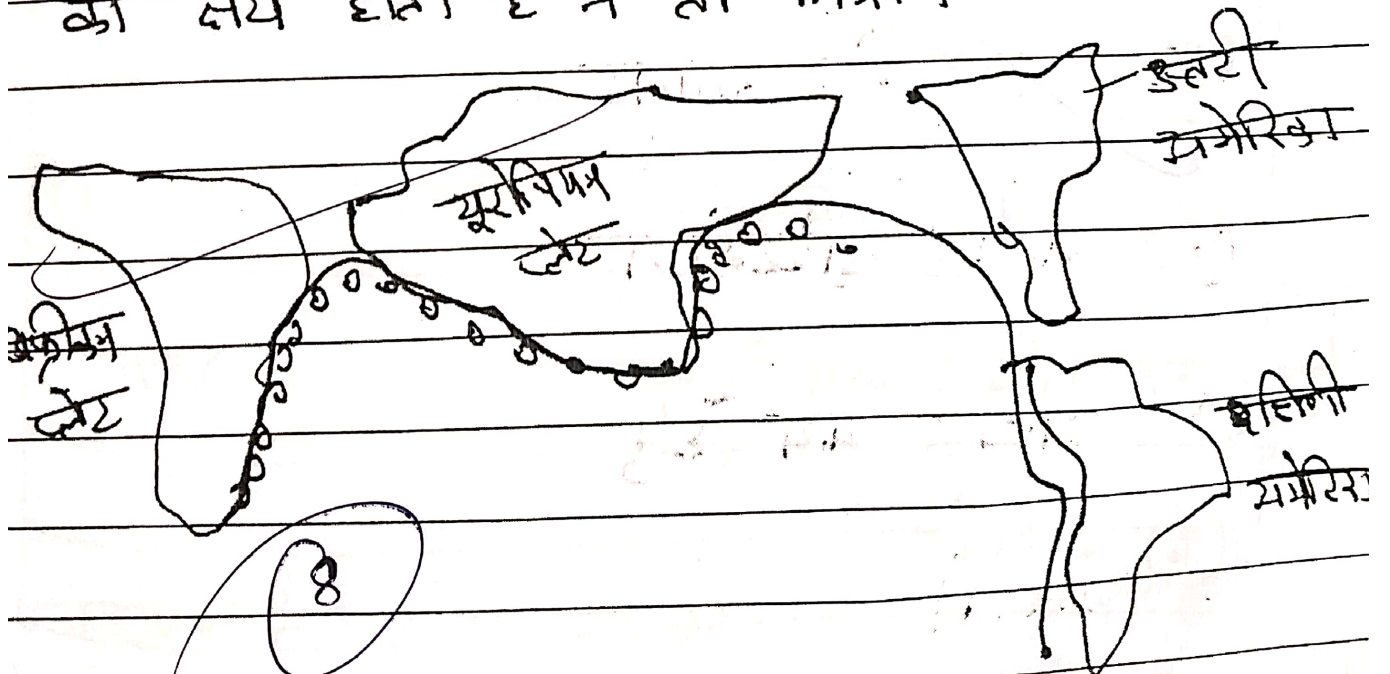
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

जिसके परिणामस्वरूप गर्व न ज्वालामुखी
एक शृंखला बन जाती है।

(2) जब दो प्लेटों के मध्य अभिसरण
होता है तो अधिगमित क्षेत्र अधिक प्रभावित
नहीं हो पाता जिससे वही ज्वालामुखी
फूट नहीं पाता।

उदा० हिमालय पर्वत का निर्माण

(3) संरक्षी किनारा - जब दो प्लेटें एक
दूसरे के समानतर खिसकती हैं तो
उनमें कोई क्रिया नहीं होती। इसे संरक्षी
किनारा कहा जाता है। इसे संरक्षी इसलिए
कहा जाता है क्योंकि इससे न तो प्लेट
का लय होता है न तो निर्माण



मुख्य परीक्षा

ज.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

3 1

भारत विश्व का द्वितीय सबसे अधिक प्राचीन वा देस है। वर्ष 1951 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या एक करोड़ पच्चीस करोड़ है जो प्रतिवर्ष बढ़ रही है।

भारतीय जनसंख्या बढ़ने के कारण

(1) चिकित्सीय सुविधों में वृद्धि

(2) कम आयु में विवाह

(3) साक्षरता की वृद्धि

(4) परिवार नियंत्रण की अक्षमता

(5) पुत्र की कामना

(6) धार्मिक इच्छा

(7) अधिक आय हेतु

(8) गरीबी

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

दशिन
गोंग
लिय

सरकारी प्रवास

(1) परिवार नियोजन सेवाओं को बढ़ाना

(2) गैर सरकारी संगठनों की सहायता

(3) आशा कार्यक्रमों द्वारा गर्भ निरोधक
साधनों के प्रचारों में वृद्धि

(4) दौद्य परिवार व सुखी परिवार के नारों
का उपयोग

(5) टीवी, रेडियो में जनजागरूकता का
प्रसार

(6) दो बच्चों तक परिवार को रोकने पर
सरकार द्वारा वित्तीय पुरस्कार

(2) राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000

तात्कालिक उद्देश्य - गर्भ निरोधकों का उपयोग
करने पर बल,

मध्यमकालीन उद्देश्य - 2010 तक कुल जनम दर

2.1 तक लाना

डीघनातीन श्रेण्य → 2045 तक विपर
जनसंख्या के लक्षण
की प्राप्ति

जनसंख्या प्रति 2000 के श्रेण्य

(1) कुल प्रजनन दर को 2.1 तक लाना।

(2) 2 बच्चों के बीच में गर्भनिरोधक
सेवा का उपयोग

(3) शिशु मृत्युदर को कम करना

(4) राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग 2000
स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन

भारत में बढ़ती जनसंख्या वृद्धि रोकने
के लिए गर्भनिरोधकों का प्रयोग किया
जाना चाहिए ताकि संसाधनों पर दबाव
की स्थिति ना बन सके।

Part - 2
Part - 2

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

समप्राय मैदान

जब नदियाँ अपरदन के कारण अपने याधार तल को प्राप्त कर लेती हैं तो पूरा भाग मैदान की तरह दिखने लगता है

उदा० भारत का अरावली क्षेत्र

2

जब भारत में ग्रीष्म ऋतु में चलने वाली गर्म व शुष्क पवनें यह गर्म होती हैं लू लगने से शरीर में गर्मी हो जाती है

14

कालेरा

ज्वालामुखी शंखु के विस्तृत रूप

मुख्य विस्फोट के कारण पडा

उदा० संयुक्त राज्य अमेरिका का 'पेट्रॉलेड'

15

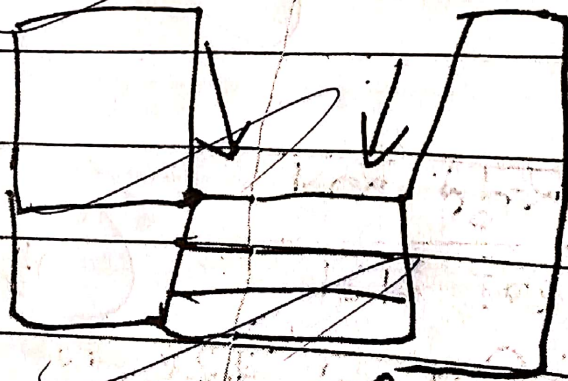
प्रवाल विरंजन

मृगा का पारिष्व जीव को खादसी जीव
 न मिलने पर प्रवाहा संश्लेषण की
 वही ही जिसे वो सफ़ेद हो जाते हैं
 प्रवाल विरंजन कहलाता है

उदा० कोरिग्र रीफ, याद्वेलिया

रिफ्ट घाटी (भ्रंश घाटी)

जब दो भ्रंश रेखाओं के बीच का भाग
 नीचे धंस जाता है
 यह लम्बी, गहरी घाटी होती है



भ्रंश घाटी

उदा० नर्मदा व गण्डकी भ्रंश घाटी

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हशिप
में न
लिखें

F

प्रशात क्षेत्र की प्रति बलय

- (1) यहां विनाशायक लहर के मिशारे मिलते हैं।
- (2) विश्व के 2/3 ज्वालामुखी पाए जाते हैं।
- (3) अंटार्कटिका से बृहत् क्षेत्र सभी परिवर्तनात्मक लहर फैलाव

2

G

हिमोठ

हिमानी द्वारा उपरहित व परिवर्तित पदार्थों का निक्षेप उन्हीं स्थानों पर जहाँ हिमानियां पिघलती हैं।

14

इसैलवर्ग

प्रश्न
संख्या

I

धारणीय प्रबंधन

ऐसा प्रबंधन जिसमें वर्षानुवर्षी की आवश्यकताओं के साथ-साथ अस्थिरता की भी आवश्यकताओं को पूर्ण किया जा सके।

J

समस्याग्रस्त मृदा

जिस मृदा में ह्यूमस, बायोडिग्रेड पदार्थ की क्षमता न हो

1/2

समस्याग्रस्त मृदा → राजस्थान की बलुई मिट्टी

बुम उपज का होना → मुख्य समस्या
अधिकतम कारण दे।

K

चिनोबिल हाइला

26 अप्रैल 1986 को यूक्रेन में घटित रेडियोधर्मी पदार्थ का फैलाव

मारी संख्या में जन-घन की हानि

1/2

स्थान - 1

प्रभाव - 1

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिप
में न
लिखे

कुशल सिंचाई

जिसमें पानी की कमी नहीं हो
सस्ती व आसान प्रक्रिया हो
उपघट्टे उपलब्ध हो
उत्पाद नलरूप द्वारा सिंचाई

अपरिष्कृत परीक्षा
के।

(1)

मृदा घाटी

उत्तर अमेरिका का सबसे गर्म व शुष्क क्षेत्र
अमेरिका के नेशनल पार्क में फैली हुयी
यह एक रेगिस्तान के रूप में है।

(12)

महासागरीय निक्षेप

महासागर के तट पर जमे अवसाद
निक्षेप के प्रकार → बजरी, रेत, पेंड
ज्वालामुखी इंसो से निम्ने पदार्थ
जैविक पदार्थ

(13)

मुख्य परीक्षा

राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या		
<input type="checkbox"/> 1	<input type="checkbox"/> 0	अश्व यंत्रणा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	1) बर्फ व मकर के दोनो भागो में बर्फ उतरी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	व दक्षिणी यंत्रणा में उष्ण वायुदाव का क्षेत्र
<input checked="" type="checkbox"/> 10	<input type="checkbox"/>	(क) वायुमूल शान्त क्षेत्र
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(ख) नाविकों द्वारा छोड़े केशने के कारण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	नामकरण - कम वायु के कारण
<input checked="" type="checkbox"/> 1	<input type="checkbox"/> P	सर- ग्रीड
<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	भारत व पाकिस्तान के बीच नवीनदुर्गमय क्षेत्र
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	व 6 Km लंबाई में विस्तार
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	भारत व पाक के बीच विवादित क्षेत्र
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कुल क्षेत्र - 650 कि.मी

मुख्य पराक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

ज्वालामुखी - मू-पटल पर बछा दिड, जिससे
गैस, राख, लवा निकलते हैं

ज्वालामुखी में विस्फोट के कारण शंकु
वा निर्माण होता है

(1) सिंटर या राख शंकु

कम ऊंचाई पर स्थित
राख से निर्माण

ठाला अधिक न क्रेटर चौड़ा

(2) लवा शंकु

2 प्रकार अग्नीय - सिलिका की मात्रा अधिक

दारीय - सिलिका की मात्रा कम

(3) मिश्रित ज्वालामुखी शंकु

अधिक ऊंचाई

अग्नीय व दारीय दोनों

उत्तम जलवायु की पर्याप्तता

(4) पारिपोषित शंकु

क्रेटर से उप-नलिका वा निर्माण

लेव शंकु के ढाल पर मध्य

ज्वालामुखी

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथ
में न
लिखें

पारिस्थितिक तंत्र जैविक घटक और यैविक घटक सहित रूप से अंतराक्रिय होते हैं, इनमें अन्तः क्रिया होती रहती है।

तंत्र पर मानवीय प्रभाव

(1) मृदा, जल, वायु प्रदूषण के रूप में

(2) ओजोन छिद्र का 1973 में अंटार्कटिका में
उत्पन्न होना व हेलोजन के कारण
मॉन्ट्रियल कन्वेंशन में सम्मेलन

(3) मूल-मंडलीय तापन से पृथ्वी का
तापमान का बढ़ना

(4) लूफान चक्रवर्ती का बढ़ना

(5) मेटामॉरिफोसिस का प्रयोग बढ़ना वैश्विक तापन
के कारण

(6) अम्लीय वर्षा, वायुमंडल में सल्फर डाइऑक्साइड
व नाइट्रोजन डाइऑक्साइड मिलकर बनी

(2)

मनुष्य को पर्यावरण के साथ मिलकर
पृथ्वी को सतत विकास की प्रवृत्तियों को विकसित रखीयेगी

मुख्य परीक्षा

ज.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या		
2	F	भारत में जूट उद्योग पश्चिमी क्षेत्र में यवस्थित है क्योंकि यहाँ जूट उद्योग की उन्नत उद्योग परिस्थितियाँ हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	जूट उद्योग
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(A) यह बच्चा माल यापारित उद्योग है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(B) भारत में पश्चिम बंगाल में हुगली नदी के किनारे यवस्थित है।
<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(C) जूट को सुनहरा रेशा भी कहा जाता है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(D) जूट का पदना कारखाना रिसरा में 1857 में लगाया गया था।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(E) जूट परिवार का द्वितीय है जिससे काका इसी मांग में बृद्धि हुई है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(F) जूट उत्पादन में भारत का विश्व में इसका स्थान है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(G) यह प्र बनपुर, गोरखपुर में है।

प्रवास एवं स्थान से दूरी, स्थान पर
गमन प्रवास बढ़ता है।

कारण

(1) अपभ्रंश कारण (+)

(2) उपभ्रंश कारण (-)

अपभ्रंश कारण

- (1) रोजगार के लिए
- (2) बेहतर शिक्षा हेतु
- (3) स्वास्थ्य सुविधाओं हेतु
- (4) बेहतर जीवन स्तर हेतु
- (5) प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थान
शहरों में स्थित होने के कारण

उपभ्रंश कारण (-) मृदात्मक

- (1) गरीबी
- (2) बेरोजगारी
- (3) शिक्षा
- (4) स्वास्थ्य सुविधाओं का न होना
- (5) परिवहन व्यवस्था
- (6) घर का न होना
- (7) कृषि के लिए भूमि का न होना

(11)

2 5

जब नदियां अपनी सीमा को पार करके
 बाढ़-घाट के क्षेत्र में जल धुस जाना
 तब बाढ़ की समस्या खान्न हो जाती

बाढ़ के कारण

- (1) नदी में अधिक अवसाद का जमन
- (2) बनों की अंधाधुंध कटाई
- (3) बांध का टूटना
- (4) नदी का मार्ग बदलना
- (5) नदी किनारे बसाघट

समाधान

(1) बांध व. बड़े जलाशयों का निर्माण

(2) वृक्षारोपण करना

(3) नदी जोड़ो कार्यक्रम

(4) बाढ़ की रोकथाम द्वारा भविष्यवाणी करना

(5) बाढ़ पूर्वानुमान केंद्रों की स्थापना

32

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

राष्ट्रीय मामलों

सतत विकास से अभिप्राय है की गाँवी पीढ़ियों के लिए आवश्यकताओं की पूर्ति करने की क्षमताओं से सम्पूर्ण रूप से विना वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति करना

सतत विकास के लिए उर्ध्व

- (1) पेरिस सम्मेलन 2015
- (2) मन्दिपल, ग्योरो प्रयोगाल
- (3) जवाहर नैदर सौर मिशन (2008)
- (4) सामाजिक जागृकी
- (5) शुद्ध कृषि विकास
- (6) मृदा संरक्षण
- (7) कृषि जलवायु विज्ञान प्रदर्शनीकरण
- (8) मृदा संरक्षण योजना
- (9) प्रोजेक्ट राइजर
- (10) हरित न्यायिकरण
- (11) ग्रीन इंडिया मिशन

सतत विकास की प्रवधारणा

8

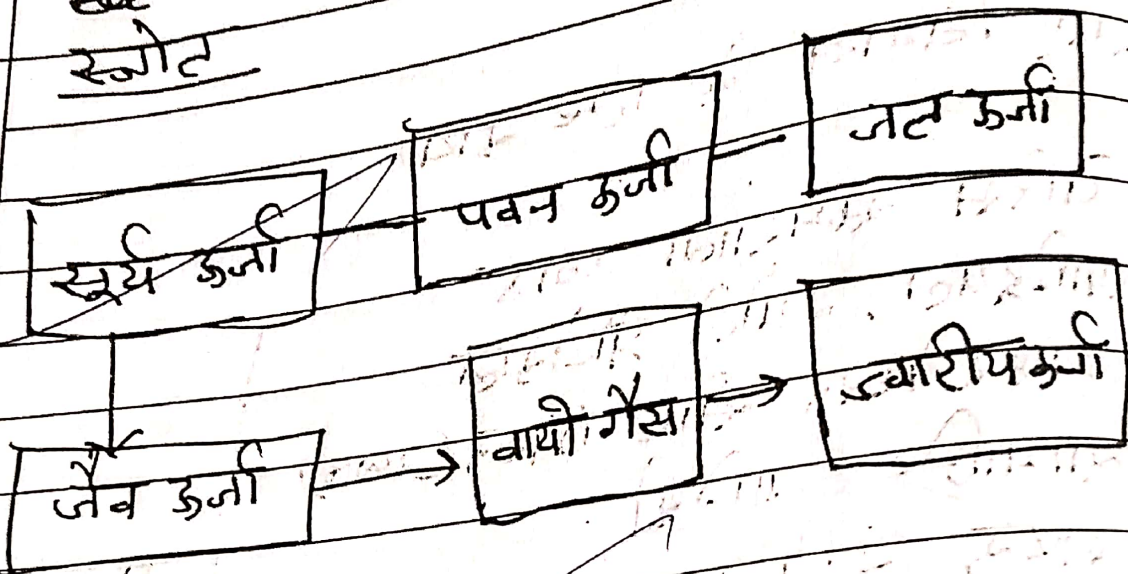
सतत विकास को गृहण करने हुए विकास जिससे किसी भी पक्ष को नुकसान न हो व सामाजिक, आर्थिक विकास हो सके।

प्रश्न संख्या

3 C

ऊर्जा के दो स्त्रोत जो परंपरागत ऊर्जा स्त्रोत के विरुद्ध के रूप में प्रयोग किए जाते हैं।

~~सू~~
स्त्रोत



(1) सौर ऊर्जा

भारत को वर्ष में 300 दिन सौर ऊर्जा प्राप्त राष्ट्रीय सोलर मिशन 2022 तक 1 लाख गीगावाट की लक्ष्य

प्रयोग → सौर पैनल

घर्मित पावर स्टेशन

कोरी कोलरिड सेल

सोलर टुंडर के रूप में

माध्यम प्रवेश के संदर्भ

650 मेगावाट का सोलर प्लांट का प्रस्ताव
शिवानंद गुड में
सोलर प्लांट से
बो दी जाएगी बिजली दिल्ली में

पवन ऊर्जा

पवन ऊर्जा में उत्पादन में
इकाई किलोवाट

देश में प्रथम स्थान पर
भारत में गुजरात व झारखण्ड
प्रमुख राज्य

पवन ऊर्जा \rightarrow 23 GW क्षमता

उपयोग

वायु ऊर्जा द्वारा विपुल उत्पादन

अनाज वी पीसे हेतु चमकियाँ

सिंचाई हेतु जल को उठाने हेतु

ज्वारीय ऊर्जा

समुद्री जल से प्राप्त ऊर्जा
वर्तमान क्षमता \rightarrow 5 GW

प्रश्न संख्या

पृष्ठ संख्या

जैव ईंधन - बायो डीजल जेट्रोफा के बीज द्वारा इथेनाल के मिश्रण के साथ प्रयुक्त

हाइड्रोजन ऊर्जा स्वच्छ ईंधन राष्ट्रीय हाइड्रोजन बोर्ड

भू-तापीय ऊर्जा पृथ्वी के घंटा संग्रहित ऊर्जा जम्मू कश्मीर - पूणा हिमाचल - मणिपुरा क्षेत्र

बायो गैस गोबर द्वारा प्राप्त ऊर्जा सस्ती व सुलभ मीथेन वा बायोनैचर गैस

ये ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत हैं जो अभी समाप्त नहीं होंगे अतः इसे हमका उपयोग अधिक करना होगा ताकि पर्यावरण भी हानि नही

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

सागर के जल में घुले हुए पदार्थों को सागर के समुद्र को सागरीय लवणता कहते हैं।

सागरों में पत्तों प्रकार के लवण पाए जाते हैं जिनमें से कुछ लवण महत्वपूर्ण हैं।

(1) सोडियम क्लोराइड (NaCl)

(2) मैग्नीशियम क्लोराइड (MgCl₂)

(3) मैग्नीशियम सल्फेट (MgSO₄)

(4) कैल्शियम सल्फेट (CaSO₄)

(5) पोटैशियम सल्फेट (K₂SO₄)

लवणों के कारक

वाष्पीकरण ही मात्र

नदी के जल का मिश्रण

→ सागरीय धाराएं

लवणता का वितरण

↳ भू-मध्य रेखा से ध्रुवों की ओर जाने पर लवणता में कमी

↳ भू-मध्य रेखा में उच्च लवणता नहीं मिलती क्योंकि यहाँ बाष्पीकरण अधिक होता है

↳ उच्च अक्षांशों में गहराई के साथ लवणता बढ़ती है।

↳ भू-मध्य रेखा में गहराई में लवणता बढ़ती है पुनः अधिक गहराई में उमा हीम लागती है।

मुख्य परीक्षा

ज.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

लवणता का मापन

लवणता मापी यंत्र द्वारा

सागरों की लवणता \rightarrow 33 से 35.46 बीच
औसत लवणता \rightarrow 35%

नदियों में कैल्शियम की मात्रा \rightarrow 50%।

और सोडियम क्लोराइड \rightarrow 2% लगभग।

6

ग्रंथप से माशप । मा-पयल पर. आमुलिमा
कंपन से है । यह प्राकृतिक व मानवीय
दो प्रकार से हो सकता है।

ग्रंथप का कारण

प्राकृतिक कारण \rightarrow इकलामुची क्रिया

प्लेट का रिसकना

अ-गर्भिक जैसे डाईनाम

~~क्रिया \rightarrow प्रत्येक चट्टान में तनाव सहने की
एक क्षमता होती है । यदि उसके अधिक
बल लगे तो चट्टान टूट जाती है । जिससे
भ्रंशन की घटना होती है व कंपन होता है~~

मानवीय कारण

बांध का निर्माण

खनन के लिए विस्फोट

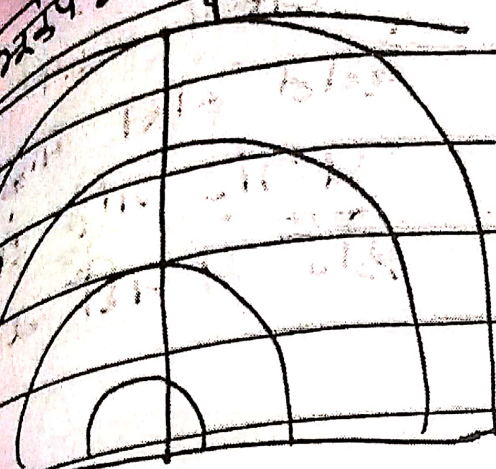
परमाणु परीक्षण

मुख्य परीक्षा

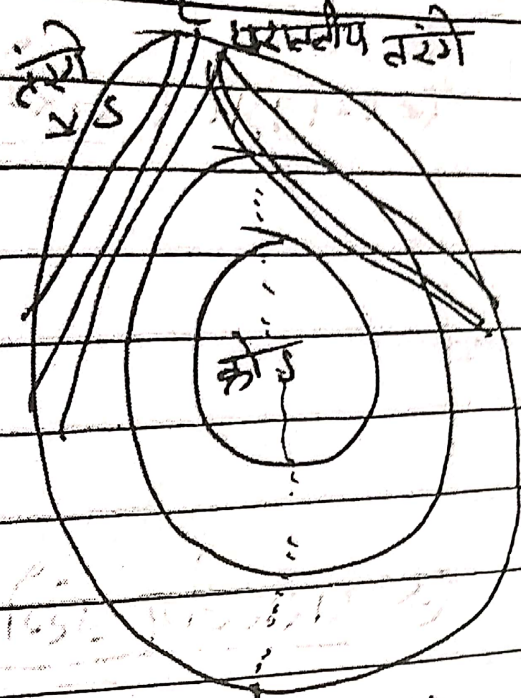
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए
में न
लिखे

अनुप मंडिड



अनुप मूल



पी तरंगे

जिस जगह से अक्षीय तरंगे उत्पन्न होती है अनुप मूल कहते हैं और वहां से बिखरे व सबसे पहले पहुंचती है अनुप वेव कहते हैं।

- (1) 1 अक्षीय प्राथमिक तरंगे
- (2) 5 अनुपस्थ तरंगे
- (3) 4 धरातलीय तरंगे

(1) 1 तरंगे - अनुपस्थ तरंगे
दूस, तयल, गैस सब में प्रवाहित
कमंड की चाल से

न
या

(A) अनुप्रस्थ तंत्रणे - अनुप्रस्थ तंत्रणे
बेवत होस माध्यम से
पलाउ गति से
ब्रोड में नहीं चलती

(B) परावर्तीय तंत्रणे (C) →
सबसे बिनाशकारी
सबसे लम्बा माग
गति सबसे उम

भूकंप का मापन

सिस्मोग्राफ यंत्र से
स्केल

- (1) रिक्टर स्केल → गणितीय 0 से बतुड पिछले
- (2) रासी फेरल → 1 से 10 गुना
- (3) मरसेली स्केल → 1 से 12 तक मान

भूकंप, 2000

20 जनवरी को न-न शिष्टर की शिष्टा
का भूकंप ।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाथिए
में न
लिखे

22000 हजार व्यक्तियों की मृत्यु
1,50000 लोग घायल

कारण

इंडियन प्लेट व यूरोशियन प्लेट का टकराने
प्लेट निरंतर टकराती रहती है।

राहत

(1) भारतीय सेना ने तत्काल राहत कार्य
आरंभ किया।

(2) रेडक्रास सोसाइटी ने तत्काल सहायता
पहुँचायी

निष्कर्ष - यह एक प्राकृतिक आपदा थी
ऐसी आपदाओं के लिए सुनियोजित सूचना
केन्द्रों की स्थापना की जाये।

कच्छ का लोखण्डा गाँव है।